

प्रेषक,

शैलेश बगोली,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,  
सूचना एवं लोक संपर्क विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

सूचना अनुभाग-01

देहरादून : दिनांक 28 मार्च, 2016

विषय :- प्रेस क्लब, लडाड़ी (उत्तरकाशी) के प्रथम तल पर गैस्ट हाउस निर्माण हेतु वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति निर्गत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0-86/सू0एवंलो0सं0वि0(प्रेस)/41/2002, दिनांक 11 फरवरी, 2016 तथा सूचना विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश सं0-55/XXII/2013-2(सू0)2004/टी.सी., दिनांक 16 जनवरी, 2013, शासनादेश सं0-352/XXII/2015-1(2)2015, दिनांक 11 मई, 2015 एवं वित्त विभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश सं0-400/XXVII(1)/2014, दिनांक 01 अप्रैल, 2015 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रेस क्लब, लडाड़ी (उत्तरकाशी) के प्रथम तल पर गैस्ट हाउस निर्माण हेतु उपलब्ध कराये गये रू0 31.23 लाख के पुनरीक्षित आगणन के सापेक्ष टी0ए0सी0, वित्त द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण कुल धनराशि रू0 31.15 लाख (रुपये इक्तीस लाख पन्द्रह हजार मात्र) (पुनरीक्षित विस्तृत आगणन के परीक्षणोपरान्त धनराशि रू0 30.65 लाख के सापेक्ष रू0 30.57 लाख एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के अन्तर्गत सम्मिलित कार्यों हेतु रू0 0.58 लाख) की वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृत प्रदान करते हुए वित्तीय वर्ष 2012-13 में आवंटित धनराशि रू0 3.00 लाख को समायोजित कर रू0 28.15 लाख (रुपये अठ्ठाईस लाख पन्द्रह हजार मात्र) को श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है, ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में नीहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिडूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई है, की स्वीकृति नियमानुसार कम से कम अधीक्षण अभियन्ता स्तर के अधिकारी से स्वीकृत करा लें।

4- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

5- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

6- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाए।

- 3824
- 7- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 8- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लो.नि.वि. द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- 9- कार्य करने से पूर्व उच्चधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता से कार्य स्थल का भली-भाँति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए, तथा निरीक्षण के पश्चात् दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।
- 10- निर्माण सामग्री कय करने से करने से पूर्व मानकों एवं स्टोर पर्वज नियमों का पालन कड़ाई से किया जाए।
- 11- निर्माण सामग्री का उपयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए।
- 12- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश सं०-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- 13- उपरोक्त व्यय शासनादेश सं०-352/XXII/2015-1(2)2015, दिनांक 11 मई, 2015 के माध्यम से अनुदान संख्या-14 लेखाशीर्षक 2220-सूचना तथा प्रसार-60- अन्य-103-प्रेस सूचना सेवाएँ-03- उत्तराखण्ड में प्रेस क्लबों की स्थापना-00-24-वृहत निर्माण कार्य मद के आयोजनागत पक्ष हेतु अवमुक्त की गई धनराशि से किया जायेगा।
- 15- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा० पत्र सं०-206P/XXVII(5)/2016, दिनांक 28 मार्च, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(शैलेश बगोली)  
सचिव।

प्र०संख्या-93 (1)/XXII/2016-2(सूचना)2004 तददिनांक।

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- जिलाधिकारी, उत्तरकाशी।
- 3- सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/उत्तरकाशी।
- 5- जिला सूचना अधिकारी, उत्तरकाशी।
- 7- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 8- एन.आई.सी., सचिवालय परिसर।
- 9- गार्ड फाइल।

आज्ञा से  
(शिव शंकर मिश्रा)  
अनुसचिव।